वास्तुकला शिक्षा में स्थिरता के एकीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

नई दिल्ली 19 मार्च (प्र.)। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर और सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च एंड डिजाइन ने 'व्यावसायिक अभ्यास में परिवर्तन के लिए वास्तुकला शिक्षा में स्थिरता का एकीकरण' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन इंडिया हैबिटैट सेंटर स्थित मैग्नोलिया हॉल में किया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों, नीति–निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और छात्रों को एक साथ लाया गया, ताकि यह समझा जा सके कि भारत में वास्तुकला शिक्षा और व्यवहार में स्थिरता को सार्थक रूप से कैसे शामिल किया जा सकता है।

संगोष्ठी में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि हमारे देश के सामने मौजूद समकालीन चुनौतियाँ जैसे शहरी विस्तार, बदलता जलवायु परिदृश्य, शहरी बाढ़, और स्वच्छ जल व गुणवत्तापूर्ण आवास जैसे आवश्यक संसाधनों की लगातार कमी, वास्तुकला की कल्पना, शिक्षा और अभ्यास में स्थिरता को केंद्रीय बनाती हैं। यह कार्यक्रम वास्तुकला संस्थानों के पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संस्कृति में स्थिरता को सुदृढ़ करने पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बना। केंद्रित चर्चाओं और विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने शैक्षणिक ढाँचों से आगे बढ़कर स्थिरता को वास्तविक पेशेवर अभ्यास में रूपांतरित करने के तरीकों पर विचार किया।

संगोष्ठी में तीन विषयगत पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं, जिनमें वास्तुकला शिक्षा में स्थिरता के महत्वपूर्ण आयामों पर विचार किया गया। इन चर्चाओं में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया, जैसे कैम्पस को स्थिरता के "लिविंग लैबोरेट्री" के रूप में विकसित करना, निर्मित पर्यावरण में स्थिरता के सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना तथा पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के लिए भविष्य के वास्तुकारों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करने हेतु नवाचारपूर्ण शिक्षण दृष्टिकोण और पाठ्यक्रम सुधार।

उच्च शिक्षा और उद्योग के बीच संवाद केवल आवश्यकता